सुसिद्धान्तोत्तम रामखण्ड अवधी महाकाव्य में धर्म और साधना का स्वरूप

विषय अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ सं.
प्रथम अध्याय-	l)kfUrd ifji{;	1&69
	(क) धर्म और साधना का स्वरूप	
	i. ब्रह्म के तात्त्विक स्वरूप का अवलोकन	
	ii. योग समन्वय	
	iii. परम्परा एवं मौलिकता : दर्शन एवं भक्ति की दृष्टि से	
	iv. पौराणिक परम्परा एवं महत्व	
	1. पुराण की दृष्टि से	
	2. इतिहास की दृष्टि से	
	3. भौगोलिक दृष्टि से	
	4. खगोलीय दृष्टि से	
	¼[k½ सुसिद्धान्तोत्तम रामखण्ड अवधी महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय	
	i. विशालकाय महाकाव्य (लगभग 4000 पृष्ठों का आकार)	
	ii. भारतेन्दु मण्डल के प्रमुख साहित्यकार पं0 सुधाकर द्विवेदी द्वारा सम्पादन और प्रकाशन 1911 में।	
	iii. विश्व प्रसिद्ध रामकथा पर आधारित काव्य	
	iv. महाकाव्य का नौ अध्यायों में विभाजन	
	v. कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से विलक्षण	
	vi.. प्रासंगिक एवं युगानुकूल कथा	
	vii. एक हजार वर्षों का दस्तावेज	

द्वितीय अध्याय- dfo ek.Mk uj'k :n irki flg dk thou ifjp; 70&91

(क) वंश परिचय

(ख) राज्य काल

(ग) रचना काल

(घ) ग्रन्थ प्रकाशन का समय

(ङ) काव्य के माध्यम से धर्म और साधना का उपदेश

तृतीय अध्याय- lfl)kUrkRre jke[k.M vo/kh egkdkO; e of.kr /ke dk Lo:i 92&144

(क) पौराणिक अवतार कथाएँ

(ख) निर्गुण और सगुण विचार

(ग) ब्रह्म, जीव, जगत, माया और मोक्ष का स्वरूप

(घ) विभिन्न दार्शनिक विचारों का उल्लेख

i. चार्वाक सिद्धान्त

ii. बौद्ध दर्शन

iii. जैन दर्शन

iv. सांख्य दर्शन

v. योग दर्शन

vi. वैशेषिक दर्शन

vii. न्याय दर्शन

viii. मीमांसा दर्शन

ix. वेदान्त दर्शन

चतुर्थ अध्याय - lfl)kUrkRre jke[k.M vo/kh egkdkO; e lk/kuk dk Lo:i 145&171

(क) गुरुनिष्ठा

(ख) नाम साधना

(ग) योग साधना

i. कर्म साधना

ii. ज्ञान साधना

iii. भक्ति साधना

पंचम अध्याय - fofHkUu i:dkj dh lk/kuk i)fr;k] de'dk.Mk vkj T;kfr"k vkfn dk mYy[k 172&222

(क) सत्यनारायण व्रत कथा वर्णन

(ख) हनुमान मंत्र प्रयोग वर्णन

(ग) जानकी मंत्र प्रयोग

(घ) मानसिक पूजा वर्णन

(ङ) संध्या समय का कर्म

(च) अतिथि पूजन विधि

(छ) भोजन विधि

(ज) शयन विधि

(झ) वैश्य और शूद्रों का कर्म

(ञ) गंगा का माहात्म्य

(ट) विभिन्न माह व्रत निर्णय

(ठ) मलमास का विधान

(ड) एकादशी महात्म्य

(ढ) रसायन वर्णन

(ण) रस वर्णन

(त) रस भूयसी वर्णन

उपसंहार - (क) lfl)kUrkRre jke[k.M vo/kh egkdkO; e of.kr /ke vkj lk/kuk d Lo:i dk fu"d"k rFkk e[; LFkkiuk, 223&231

(ख) उपादेयता एवं भावी सम्भावनाएँ

संदर्भ ग्रन्थ सूची 232&237